October 2022
Uttarakhand Disasters & Accident Synopsis (UDAS)
Monthly Reports

Social Development for Communities (SDC) Foundation
Dehradun, Uttarakhand
www.sdcuk.in
contactsdcuk@gmail.com

About UDAS Monthly Reports:

Uttarakhand Disaster & Accident Synopsis (UDAS) is a monthly initiative by Dehradun-based environmental action and advocacy group, Social Development for Communities (SDC) Foundation. The goal of the UDAS reports is to document disasters and accidents in Uttarakhand, leading to human and ecological casualties. UDAS is based on media reports in respectable publications in English and Hindi newspapers, as well as news portals. UDAS neither attempts nor claims to document all disasters and all accidents in Uttarakhand; its focus instead is to document major casualties and non-casualty events on a regular basis.

We strongly believe that with the perils of inclement climate and unabated disasters, the ecologically fragile and earthquake-prone state of Uttarakhand needs to take many more steps to increase its disaster preparedness. We, therefore, see UDAS as a document that highlights attention towards the urgent need of a holistic disaster management and accident minimization policy framework in Uttarakhand.

It is our earnest hope that UDAS will spur political leadership, policy makers, bureaucracy, research and academic institutions, businesses, civil society organizations, media and the citizenry at large to initiate inclusive, regular and action-oriented conversations on the subjects of resilience, mitigation and adaptation in Uttarakhand. With mainstreaming and a greater focus on the issue, there is likely to be an improvement in the process of planning of climate actions and disaster management in Uttarakhand.

1. October 4 : 29 deaths due to avalanche at Draupdi-Ka-Danda II Peak, Uttarkashi District

A team of 41 people, 34 trainees and seven instructors from the Nehru Institute of Mountaineering (NIM), were hit by an avalanche around 8.45 AM on October 4, 2022 near the Dokrani Bamak glacier while returning from high-altitude navigation on the Draupdi-Ka-Danda II peak. Finally, 29 people were declared dead. At the time of writing this report, 27 bodies had been recovered while 2 bodies were yet to be traced. Among the deceased was ace mountaineer Savita Kanswal, 26, who earlier this year became the first Indian woman to climb Mount Everest and Mount Makalu in just 16 days and set a national record.

Draupadi-KaDanda-II peak in Uttarkashi district had no history of avalanches in the past three decades and is considered among the safest for conducting mountaineering training. The site is considered safe for many reasons, it has a wide valley with close access from the road. Due to slow or gradual altitude gain, most mountaineers manage to reach higher altitudes or even the summit. In this process, they get acclimatized to the altitude and weather. The site is located 5,670 meters above sea level in Garhwal Himalayas.

एवलांच की चपेट में निम का दल, चार मरे, 26 लापता

5/10/22

जागरण संवाददाता, उत्तरकाशी : डोकराणी ग्लेशियर क्षेत्र में साढ़े 18600 फीट ऊंचाई पर स्थित द्रौपदी के डांडा में नेहरु पर्वतारोण संस्थान (निम) का प्रशिक्षण दल एवलांच (हिमस्खलन) की चपेट में आ गया। 42 सदस्यीय दल में बतौर प्रशिक्षक शामिल एवरेस्ट विजेता सविता कंसवाल समेत चार की मृत्यु हो गई, जबकि 26 लापता हैं। निम के प्राचार्य कर्नल अमित बिष्ट ने इसकी पुष्टि की। लापता सदस्यों के एवलांच में दबने और ग्लेशियर के बीच बड़ी दरारों (क्रेवास) में फंसे होने का अनुमान है। चार घायलों को रेस्क्यू कर लिया, उन्हें एडवांस कैंप में उपचार दिया जा रहा है। दल के आठ सदस्य सुरक्षित बताए जा रहे हैं। वायुसेना की टीम की अगुआई में लापता सदस्यों की खोजबीन की गई, लेकिन दोपहर बाद बर्फबारी होने के कारण अभियान रोक दिया गया। बुधवार सुबह फिर से अभियान शुरू किया जाएगा। वायुसेना ने दो चीता हेलीकाप्टर रेस्क्यू के लिए हर्षिल में तैनात किए गए हैं। लापता सदस्यों में दिल्ली, बंगाल, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु, असोम, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, गुजरात और उत्तर प्रदेश के प्रशिक्षणार्थी हैं। बीते 32 सालों में उत्तराखंड में एवलांच की 16 बड़ी घटनाओं में 60 पर्वतारोहियों की जान जा चुकी है।

निम में 14 सितंबर से शुरू हुए 172 एडवांस कोर्स में शामिल 34 प्रशिक्षु पर्वतारोहियों, 7 प्रशिक्षकों व एक नर्सिंग स्टाफ यानी 42 सदस्यों का दल 23 सितंबर को द्रौपदी का डांडा में प्रशिक्षण के लिए रवाना हुआ था। मंगलवार सुबह लगभग चार बजे दल के 40 सदस्य दल एडवांस कैंप से समिट कैंप के लिए रवाना हुए। नर्सिंग स्टाफ समेत दो सदस्य एडवांस कैंप में रुक गए। समिट कैंप के निकट डोकराणी ग्लेशियर क्षेत्र में द्रौपदी का डांडा की चोटी से भारी हिमस्खलन हुआ, परिणामस्वरूप दल के 34 सदस्य इसकी चपेट में आ गए। इनसे कुछ पीछे चल रहे छह सदस्य सुरक्षित बच गए। उन्होंने एडवांस कैंप लौटकर निम के कर्मचारियों को घटनाक्रम की जानकारी दी। इस पर जिला प्रशासन और शासन सक्रिय हुआ। मुख्यमंत्री ने देहरादून में अधिकारियों के साथ बैठक कर राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। दोपहर एक बजे वायु सेना के दो चीता हेलीकाप्टर सहित तीन हेलीकाप्टर रेस्क्यू के लिए भेजे गए। टीम ने हिमस्खलन प्रभावित क्षेत्र से बर्फ में दबे चार शवों को खोज निकाला। चार अन्य घायलों को भी एडवांस कैंप पहुंचाया। दल के 26 सदस्य अभी लापता हैं। उनकी खोजबीन के लिए चलाया जा रहा अभियान अपराह्न तीन बजे भारी बर्फबारी होने के कारण रोकना पड़ा। मृतकों में दल में प्रशिक्षक के रूप में शामिल उत्तरकाशी निवासी एवरेस्ट विजेता सविता कंसल और एक अन्य प्रशिक्षक नौमी भी हैं, इसकी पुष्टि निम के प्राचार्य कर्नल अमित बिष्ट ने की। उत्तरकाशी के जिलाधिकारी अभिषेक रुहेला ने बताया कि मौसम अनुकूल न होने के कारण खोज बचाव अभियान रोकना पड़ा। बुधवार को हेली व पैदल मार्ग से रेस्क्यू अभियान चलाया जाएगा।

- मृतकों में उत्तरकाशी निवासी एवरेस्ट विजेता सविता कंसवाल भी शामिल
- लापता सदस्यों के ग्लेशियर के बीच बड़ी दरारों में फंसे होने की आशंका

उत्तरकाशी में मंगलवार को हिमस्खलन के बाद देहरादून स्थित सहस्त्रधारा हेलीपैड से राहत-बचाव अभियान के लिए रवाना होती एसडीआरएफ की टीम • प्रेट्र

निम की पसंद है द्रौपदी का डांडा

उत्तरकाशी जिला मुख्यालय से लगभग 70 किलोमीटर दूर डोकराणी ग्लेशियर क्षेत्र में द्रौपदी का डांडा निम का पसंदीदा प्रशिक्षण स्थल है। यहां पर्वतारोह के अभ्यास के लिए अनुकूल स्थितियां हैं और इसके बेस कैंप तक खाद्यान्न पहुंचाने में भी आसानी रहती है। इसीलिए एडवांस कोर्स के लिए निम की प्राथमिकता में यह क्षेत्र रहता है।

रेस्क्यू में झेलनी पड़ी मौसम की दुश्वारियां >> 13

बचाव और राहत कार्यों को लेकर सरकार सतर्क

देहरादून : उत्तरकाशी जिले में द्रौपदी का डांडा-दो पर्वत चोटी में हिमस्खलन की घटना की जानकारी मिलने पर प्रदेश और केंद्र की सरकारें बचाव और राहत कार्यों को लेकर एलर्ट मोड में रहीं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड के दो दिनी दौरे पर मंगलवार को देहरादून पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को घटना की जानकारी दी। उन्होंने बचाव अभियान में तेजी लाने को सेना की सहायता लेने का अनुरोध किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए तुरंत अधिकारियों से वार्ता की। केंद्र सरकार ने मुख्यमंत्री धामी को हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। वहीं एनडीआरएफ, सेना, आइटीबीपी, एसडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन तत्परता से राहत-बचाव कार्यों में जुटे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार दोपहर घटना की जानकारी मिलते ही पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को दूरभाष पर सूचित किया। इसके बाद मंगलवार सायं जौलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचने पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ विस्तार से इस घटना को लेकर चर्चा की। रक्षा मंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि केंद्र सरकार हरसंभव सहायता देगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने हिमस्खलन से हुई मृत्यु पर शोक व्यक्त किया है। उधर, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी ट्वीट कर पर्वतारोहियों की मृत्यु पर दुख जताया। उन्होंने बताया कि बचाव और राहत कार्यों में कई टीम लगी हुई हैं।

OCTOBER 5, 2022
DAINIK JAGRAN

NIM had in the past explored four to five other sites — including those near Kedarnath and other locations in Gangotri – but ruled them out for training purposes due to potential risks of shooting rocks, narrow valleys restricting chopper ferries in case of emergency, hard slopes and difficult trails and hostile terrain to allow passage of mules or porters to carry support materials for the mountaineers.

हादसे से लेकर खोज-बचाव के हर कदम पर बरती गई लापरवाही

मंगलवार को हिमस्खलन की चपेट में आने से लापता हो गए थे नेहरू पर्वतारोहण संस्थान के दो प्रशिक्षक और 27 प्रशिक्षु पर्वतारोही

शैलेंद्र गोदियाल • उत्तरकाशी

नेहरू पर्वतारोहण संस्थान के एडवांस पर्वतारोहण प्रशिक्षण दल के मंगलवार को हिमस्खलन की चपेट में आने से दो प्रशिक्षक और 27 प्रशिक्षु पर्वतारोही लापता हो गए थे। अब इनके जीवित होने की उम्मीद न्यून है। इस प्रशिक्षण के दौरान हुई लापरवाही पर कई सवाल उठ रहे हैं, जिनके जवाब अभी अनुतरित हैं। पर्वतारोहण के प्रशिक्षण में किसी चोटी का आरोहण नहीं, बल्कि केवल हाइट गेन करना मुख्य लक्ष्य होता है। इसी में कदम-कदम पर लापरवाही हुई है। यहां तक कि खोज-बचाव और सही सूचना जारी करने में भी निम की ओर से लापरवाही बरती गई।

ट्रैक की रेकी पर सवाल: निम में बेसिक और एडवांस पर्वतारोहण प्रशिक्षण के दौरान सुरक्षा को लेकर खास सावधानियां बरतनी होती हैं। सुरक्षा को लेकर किसी तरह का जोखिम नहीं लिया जाता। एडवांस कोर्स के प्रशिक्षुओं को जब हाइट गेन और आरोहण कराया जाता है, तब मुख्य प्रशिक्षक एक दिन पहले ही ट्रैक पर रस्सी बांध देते हैं और ट्रैक की रेकी भी करते हैं। ताकि किसी तरह का खतरा न हो। इसमें लापरवाही का अंदेशा है।

आंकड़ों को लेकर विरोधाभास: एडवांस पर्वतारोहण प्रशिक्षण के इस अभियान में लापता हुए प्रशिक्षुओं की संख्या को लेकर विरोधाभास की स्थिति बनी हुई है। गुरुवार दोपहर जब प्रशिक्षुओं के पांच शव बरामद हुए तो जिलाधिकारी अभिषेक रुहेला ने मीडियाकर्मियों को बताया कि 22 अभी लापता हैं। जबकि, निम के अधिकारियों ने बुधवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को बताया था कि 27 प्रशिक्षु लापता हैं और दो प्रशिक्षकों सहित चार व्यक्तियों के शव बरामद हुए हैं। ऐसे में लापता और मृतकों की संख्या 31 हो रही थी, लेकिन निम ने गुरुवार को लापता होने वालों का आंकड़ा ही बदल दिया और मृतक व लापता व्यक्तियों की कुल संख्या 29 बताई।

द्रौपदी का डाडा में इसी क्षेत्र में फंसे हैं प्रशिक्षु पर्वतारोही • साभार निम

सर्च एंड रेस्क्यू प्रशिक्षण पर सवाल

निम दावा करता है कि सर्च एंड रेस्क्यू कोर्स कराने वाला वह एशिया का इकलौता संस्थान है। लेकिन, मंगलवार सुबह जब दो प्रशिक्षक और 27 प्रशिक्षु हिमस्खलन में दबे तो रेस्क्यू करने के लिए वायु सेना, सेना, एनडीआरएफ, आइटीबीपी और हाई एल्टीट्यूड वारफेयर स्कूल गुलमर्ग से मदद मांगी गई। इसके साथ ही निम को संसाधनों की कमी भी झेलनी पड़ी।

दो दिन बाद बुलाई गुलमर्ग की टीम

मंगलवार सुबह करीब 7:55 बजे हिमस्खलन की घटना हुई और 8:30 बजे तक इसकी सूचना निम के मुख्यालय पहुंच गई। लेकिन, इतनी बड़ी दुर्घटना की सूचना के बावजूद खोज-बचाव के लिए हाई एल्टीट्यूड वारफेयर स्कूल गुलमर्ग की टीम को 48 घंटे बाद बुलाया गया। एसडीआरएफ की रेस्क्यू टीम भी घटना के पांच घंटे बाद बेस कैंप पहुंची। त्वरित निर्णय न लेने और समय से रेस्क्यू टीम के न पहुंचने पर भी सवाल उठ रहे हैं।

एसडीआरएफ के कमांडेंट मणिकांत मिश्रा उत्तरकाशी पहुचे • साभार निम

जिम्मेदार अधिकारियों की गैर मौजूदगी

द्रौपदी का डांडा क्षेत्र में 23 सितंबर से बेसिक पर्वतारोहण प्रशिक्षण और एडवांस पर्वतारोहण प्रशिक्षण शुरू हुआ। लेकिन, निम का अधिकांश स्टाफ आचार्य बालकृष्ण के अन्वेषण अभियान में व्यस्त रहा। प्रशिक्षण कोर्स में जिम्मेदार अधिकारी की कमी रही और वरिष्ठ अधिकारी के नाम पर बेस कैंप में केवल चिकित्सा अधिकारी ही मौजूद थे। घटना के दिन निम के प्रधानाचार्य भी किसी कार्यक्रम के सिलसिले में पुणे (महाराष्ट्र) गए हुए थे। निम के मुख्य प्रशिक्षक भी बेस कैंप व एडवांस कैंप में नहीं थे।

प्रशिक्षुओं की संख्या पर सवाल

उच्च हिमालयी क्षेत्र बेहद संवेदनशील है। निम के अनुभवी प्रशिक्षक और जिम्मेदार अधिकारी इस बात को बखूबी जानते हैं। बावजूद इसके मंगलवार को हिमस्खलन की चपेट में 42-सदस्यीय दल के 29 सदस्य आ गए। आरोहण के लिए एक साथ इतनी अधिक सख्या में प्रशिक्षुओं को ले जाने को लेकर कई सवाल उठे रहे हैं। अगर ये प्रशिक्षु अलग-अलग टीम बनाकर आरोहण करते तो इतनी बड़ी घटना नहीं होती। प्रशिक्षुओं को एक साथ लेकर जाने का निर्णय किसका था, इस पर प्रश्न उठना लाजिमी है।

लापता सदस्यों की जानकारी को यहां करें संपर्क

द्रौपदी का डांडा क्षेत्र में हिमस्खलन की चपेट में आकर लापता हुए दल के सदस्यों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए निम ने कंट्रोल रूम स्थापित किया है। कंट्रोल रूम से नंबर **7860717717** और **9997254654** पर संपर्क किया जा सकता है।

निम व प्रशासन के बीच बनी हुई है संवादहीनता

निम और जिला प्रशासन के बीच संवादहीनता की स्थिति बनी हुई है। जिला प्रशासन खोज-बचाव व लापता प्रशिक्षुओं की जानकारी के लिए पूरी तरह से निम पर निर्भर है। प्रशासन को भी निम से स्पष्ट जानकारी नहीं मिल रही है, जिस कारण लापता हुए प्रशिक्षुओं के स्वजन भी परेशान हैं।

OCTOBER 7, 2022
DAINIK JAGRAN
7/10/22

2. October 4, 2022 : 34 deaths in a bus accident in Pauri district

A bus that was part of a marriage procession fell into a 500-meter-deep gorge at around 8.00 PM on October 4, 2022 near Simdi village on the Rikhnikhal-Bironkhal road in Dhumakot area in Pauri district. The driver had lost control of the vehicle during a turn. There was no proper parapet at the accident site. The bus was on its way from Laldhang in Haridwar to Kanda Talla in Pauri district for a wedding.

ओवरलोडिंग फिर बनी काल..32 सीटर बस में सवार थे 52 बराती

लालढांग से सिमड़ी तक किसी भी चेकपोस्ट पर ओवरलोड जा रही बस को नहीं रोका गया

संवाद न्यूज एजेंसी

बैजरो/कोटद्वार। उत्तराखंड में ओवरलोडिंग एक बार फिर बड़े हादसे का सबब बन गई। सिमड़ी में हादसे की शिकार हुई जीएमओयू की 32 सीटर बस में 52 बराती सवार थे। लालढांग से कोटद्वार, रिखणीखाल होते हुए सिमड़ी तक पहुंची बस को कहीं भी पुलिस और परिवहन विभाग ने नहीं रोका। हादसे में बस चालक दिनेश सिंह गुसाईं की भी मौत हो गई। वह इस बस के मालिक भी थे।

बस जीएमओयू के कोटद्वार डिपो में पंजीकृत है और यहीं से नियमित सेवाओं के लिए संचालित होती है। कोटद्वार के एआरटीओ पंकज श्रीवास्तव का कहना है कि बस (संख्या यूके 04 पीए 0501) के दुर्घटनाग्रस्त होने की जानकारी मिली है। बस के सभी दस्तावेज फिटनेस, परमिट, टैक्स और प्रदूषण प्रमाणपत्र सही हैं। ओवरलोडिंग का मामला प्रकाश में आया है। इस बारे में विभाग की ओर से जांच शुरू कर दी गई है। एसएसपी यशवंत सिंह चौहान ने बताया कि मजिस्ट्रीयल जांच में खामियों का पता लग जाएगा।

हादसे में बस के उड़ गए परखच्चे। संवाद

खाई से निकाले सभी शव, आज भी चलेगा सर्च अभियान

कोटद्वार। सिमड़ी बस हादसे के बाद रेस्क्यू में जुटी पुलिस, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ ने राहत और बचाव कार्य बुधवार देर शाम रोक दिया। पुलिस का कहना है कि हादसे में मृत लोगों के शव खाई से निकाल लिए गए हैं। अब बृहस्पतिवार को अंतिम सर्च अभियान चलाया जाएगा। मंगलवार शाम हुए हादसे के बाद से डीएम, एसएसपी समेत आला अधिकारियों ने बीरोंखाल में डेरा डाला हुआ है। एसओ रिखणीखाल अरविंद कुमार और धुमाकोट के थानाध्यक्ष दीपक तिवारी ने बताया कि मंगलवार रात से चल रहा राहत और बचाव कार्य बुधवार देर शाम रोक दिया गया है। संवाद

...तो बस से चालक ने नियंत्रण खो दिया

देहरादून। पौड़ी के सिमडी में हुई बस दुर्घटना का प्रथम दृष्टया कारण चालक का बस से नियंत्रण खो देना माना जा रहा है। बस करीब 200 मीटर नीचे नयार नदी में गिरी है और उसके परखच्चे उड़ चुके हैं। यह कहना है घटनास्थल पर तकनीकी जांच करने गए संभागीय तकनीकी निरीक्षक आनंद बर्द्धन का।

प्राथमिक तकनीकी जांच के साथ ही सड़क सुरक्षा के लिए गठित लीड एजेंसी भी दुर्घटनाओं के कारणों की जांच करने के लिए घटनास्थल पर जाएगी। हादसे की सूचना के बाद संभागीय तकनीकी निरीक्षक घटना स्थल पर पहुंच गए थे। उन्होंने अमर उजाला को बताया कि बस नीचे नदी में गिरी है। वहां तक पहुंचना आसान नहीं होगा।

एसडीआरएफ ने जो तस्वीर उपलब्ध कराई है, उसमें बस पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। दुर्घटनाओं के कारणों के बारे में उनका कहना है कि प्रथम दृष्टया यही प्रतीत हो रहा है कि चालक ने बस से नियंत्रण खो दिया था। हालांकि प्रत्यक्षदर्शी यह भी कह रहे हैं कि दुर्घटना से पहले बस अचानक पैरापिट से टकराई थी। उन्हें महसूस हुआ कि बस की कमानी टूट गई है। ब्यूरो

सड़क सुरक्षा की लीड एजेंसी जांच करने जाएगी

पौड़ी जिले में हुए भीषण सड़क दुर्घटना के कारणों की पड़ताल करने के लिए सड़क सुरक्षा परिषद के तहत गठित लीड एजेंसी घटनास्थल का दौरा करेगी। संयुक्त परिवहन आयुक्त सनत कुमार सिंह ने कहा कि एक या दो दिन में एजेंसी के सदस्य मौके पर जाएंगे। लीड एजेंसी में परिवहन विभाग के अलावा, लोनिवि, स्वास्थ्य, शिक्षा, पुलिस विभाग से जुड़े सहायक निदेशक स्तर के अधिकारी शामिल हैं। ये दल पता लगाएगा कि घटनास्थल पर सड़क की स्थिति कैसी है। सुरक्षा के लिए क्या वहां पैराफीट थे। घायलों को अस्पताल के पहुंचाने के लिए किस तेजी से कदम उठाए गए। दुर्घटना से सबक लेते हुए सुधार के लिए क्या-क्या कदम उठाए जा सकते हैं। इन तमाम पहलुओं के बारे में लीड एजेंसी अपनी रिपोर्ट तैयार करेगी।

राज्यपाल ने जताया दुख

देहरादून। राज्यपाल ले.ज. गुरमीत सिंह (सेनि.) ने पौड़ी जिले में हुई बस दुर्घटना में मृतक व्यक्तियों के प्रति गहरा दुख व्यक्त किया है। ब्यूरो

सांसद बलूनी ने जताया शोक

देहरादून। राज्यसभा सांसद अनिल बलूनी ने पौड़ी जिले में हुई बस दुर्घटना पर अपनी गहरी संवेदना प्रकट की है। बलूनी ने जिलाधिकारी पौड़ी से संपूर्ण घटना की जानकारी ली और मदद की पेशकश की। ब्यूरो

AMAR UJALA

OCTUBER 6, 2022

It was reported that overloading was also one of the causes for the accident. There were 52 passengers in the bus with a seating capacity of 32. The bus was not stopped or checked in any place either by Uttarakhand Police or Transport Dept. Thirty-one bodies were retrieved while two injured succumbed on the way to the hospital. The Uttarakhand government announced ex-gratia relief to all the affected families: Rs 2 lakh for death, Rs 1 lakh for serious injury and Rs 50,000 for less severe injury. There were 18 injured people. As per reports in local media towards the end of October 2022, the final death tally in the road accident was 34 people.

...और कमजोर पैराफिट ने तोड़ दी 33 जिंदगियों की डोर

जागरण संवाददाता, कोटद्वार : सड़क किनारे बना पैराफिट सरकारी तंत्र की भ्रष्ट कार्यशैली का शिकार न हुआ होता तो मंगलवार शाम रिखणीखाल-बीरोंखाल मोटर मार्ग पर हुई बस दुर्घटना को टाला जा सकता था। सरकारी तंत्र ने पैराफिट निर्माण के नाम पर पैराफिट की बुनियाद खोदे बिना सड़क किनारे लोहे का ढांचा रख उसमें रेत, बजरी भर दिया। नतीजा, बस के टकराते ही पैराफिट अपने स्थान से खिसक गया और बस गहरे खड्ड में जा गिरी।

पर्वतीय क्षेत्रों में यदि सड़क किनारे पैराफिट मजबूत हों तो बड़ी दुर्घटनाओं को कुछ हद तक टाला जा सकता है। इसी कारण राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने सड़कों में कई जगह पैराफिट के स्थान पर लोहे की क्रश बैरियर लगाए हैं। मंगलवार को बीरोंखाल-रिखणीखाल मोटर मार्ग पर सिमड़ी बैंड में हुई बस दुर्घटना ने पर्वतीय क्षेत्रों में बनाए जा रहे पैराफिट की गुणवत्ता की कलई खोल कर रख दी। बस जिस पैराफिट से टकरा कर खड्ड में गिरी, वह पैराफिट ही अपनी जगह से खिसक गया। स्पष्ट है कि पैराफिट निर्माण के नाम पर महज खानापूर्ति की गई व पैराफिट की बुनियाद बनाई ही नहीं गई। यहां यह बताना बेहद जरूरी है कि पर्वतीय क्षेत्र में सड़क निर्माणदायी संस्थाएं पैराफिट बनाने के नाम पर महज खानापूर्ति करती हैं। ठेकेदारों ने पैराफिट बनाने के लिए लोहे के ढांचे बनाए हुए हैं।

रिखणीखाल-बीरोंखाल मोटर मार्ग पर सिमड़ी बैंड के समीप बस की टक्कर लगने के बाद खिसका पैराफिट • जागरण

यह हैं पैराफिट निर्माण के मानक

सड़क किनारे बनने वाले कंक्रीट के पैराफिट निर्माण को लेकर सड़क निर्माणदायी संस्थाएं उत्तर प्रदेश शासनकाल में जारी गाइडलाइन का अनुपालन करती हैं। जिसके तहत पैराफिट निर्माण के लिए सड़क किनारे आठ से छह इंच गहरा गड्ढा खोदा जाता है। गड्डे की लंबाई तीन मीटर व चौड़ाई डेढ़ फुट होती है। इसमें दो फीट ऊंचा पैराफिट बनाया जाता है। पूर्व में इन पैराफिट में सरिया लगाने का प्रविधान नहीं था। लेकिन, अब क्रश बैरियर के साथ ही सरिया वाले पैराफिट भी बनने लगे हैं।

सुरक्षा पर परिवहन विभाग ने भी उठाए सवाल

मंगलवार को जिस सिमड़ी बैंड के समीप बस दुर्घटना हुई, वहां परिवहन विभाग ने भी सड़क पर सुरक्षा को लेकर सवाल उठाए हैं। संभागीय परिवहन अधिकारी जयंत वशिष्ठ ने बताया कि घटनास्थल पर कोई भी क्रश बैरियर नहीं थी। साथ ही पर्याप्त संख्या में सड़क किनारे पैराफिट भी नहीं थे।

DAINIK JAGRAN

OCTOBER 8, 2022

3. **October 18, 2022 : 7 deaths in a helicopter crash in Kedarnath area in Rudraprayag district**

Seven people, including the pilot, died after a helicopter ferrying pilgrims back from Kedarnath shrine crashed midway before reaching the base station near Garud Chatti on October 18. Eyewitnesses alleged that the chopper took off even when there was poor viability in the valley due to dense fog. They claimed that the helicopters in Kedar Valley ferry people even when the weather is bad and are playing with the lives of people. In this case, the chopper hit a hillock amid dense fog and crashed within seconds after taking off near Garud Chatti which is barely two km from Kedarnath.

According to the Uttarakhand government officials, the incident took place between Lincholi and Garud Chatti minutes after the helicopter took off from the helipad built at Kedarnath shrine. The rescue teams were immediately rushed to the spot. The helicopter was a Bell-407 VT-RPN owned by Aryan aviation. Due to fog, there was less visibility and the helicopter crashed after colliding with a hill. Those who died include Anil Singh, the 58-year-old pilot, and three pilgrims each from Tamil Nadu and Gujarat.

As many as 9 private chopper services are operational to ferry pilgrims to Kedarnath from various bases built in Guptkashi, Phata and Sirsi areas in Rudraprayag district. This year, 1.50 lakh pilgrims have taken helicopter services to Kedarnath during the 6 month Char Dham Yatra.

OCTOBER 19, 2022
THE TIMES OF INDIA

THE TIMES

SRI LANKAN AUTHOR SHEHAN KARUNATILAKA WINS BOOKER PRIZE FOR AFTERLIFE THRILLER 'THE SEVEN MOONS OF MAALI ALMEIDA' 12

Six pilgrims, pilot dead in Kedarnath chopper crash

Pilot Tried To Return Due To Dense Fog

Gaurav.Talwar
@timesgroup.com

Dehradun: Seven people, including six Char Dham pilgrims and a pilot, died after a helicopter crashed on a hill and burst into flames minutes after it took off from Kedarnath shrine for Guptkashi around 11.45 am on Tuesday. Five of the pilgrims were women. The accident happened at Dev Darshini, between Garudchatti and Lincholi.

The chopper, operated by Aryan Aviation (a Delhi-based company), was a Bell-407, registered as VT-RPN. The company is among the many players operating heli-services to Kedarnath from various places. According to a communique by the State Disaster Response Force (SDRF), the chopper went down while negotiating dense fog. "It looks like the pilot, after seeing the fog ahead, tried to return to Kedarnath. In the process, the chopper's tail hit the ground as it was flying too low," said district disaster management officer NK Rajwar.

Teams of SDRF and NDRF rushed to the spot for search and rescue operations.

▶Continued on P 2

'Chopper Was Flying Too Low, Hit Ground'

- Chopper, operated by Aryan Aviation, was a Bell-407 registered as VT-RPN
- While a technical investigation will reveal exact cause, so far it looks like the pilot, after seeing fog ahead, tried to return to Kedarnath but the chopper's tail hit the ground as it was flying too low

▶Many deaths, near-misses in turbulent Kedar skies, P 2

'Choppers plying like autos', activist warned

Shashi Bhushan Maithani, a social activist from Maithana village, Chamoli, had uploaded a video on Facebook on May 23, showing a chopper circling a valley and unable to land due to the drizzle and fog. Maithani said, "This mad rush might put the state government in an uncomfortable situation one day." P 2

Violation of norms risk to people, wildlife

It has been seven years now that experts and activists have been raising alarm on the threat to flora and fauna of the Kedarnath region due to low-flying choppers, a risk both to humans and wildlife. P 2

4. October 22, 2022 : 4 deaths in a house collapse due to landslide in Paingarh village, Tharali block in Chamoli district

Four members of a family died and two others were injured as three houses collapsed in Paingarh village, Tharali block of Chamoli district due to landslides on October 22, 2022 According to locals, the mishap occurred around 2.15 AM as a huge boulder fell on a house

and killed four. Two adjacent houses were also damaged in the incident though no one was injured.

Locals said that Diwali preparations were underway in the village and that the tragedy has cast a pall of gloom over them. A villager said 70 families live in the area that has witnessed several landslides and rain-related accidents in the recent past. Paingarh is around 12 km from Tharali and the motorable road ends 3 km before the village. As a result, its residents have to trek for the remaining distance to reach their homes.

Teams of National Disaster Response Force (NDRF), State Disaster Response Force (SDRF), State Police and Revenue Police rushed to the spot. It took over three hours to clear the debris and bring out the four bodies. The condition of the two injured was said to be serious. From Tharali CHC, they were referred to another health center for better treatment. The victims were identified as Devanand Sati (57), his sister Buchli Devi (75), brother Dhananad (45) and Dhanand's wife Sunita Devi (37).

OCTOBER 23, 2022
AMAR UJALA

तीन मकानों पर गिरी चट्टान, एक ही परिवार के चार लोगों की गई जान

भूस्खलन : रेस्क्यू टीमों ने किशोर को बचाया, गंभीर हालत में पहुंचाया अस्पताल

संवाद न्यूज एजेंसी

थराली (चमोली)। भूस्खलन की चपेट में आकर एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई, जबकि एक किशोर घायल हो गया। सूचना पर पहुंची प्रशासन, एसडीआरफ और एनडीआरएफ की टीम ने ग्रामीणों की सहायता से रेस्क्यू अभियान चलाया।

थराली के कानूनगो जगदीश गैरोला और पटवारी चन्द्रसिंह बुटोला ने बताया कि पैनगढ़ के ग्रामीणों ने शुक्रवार रात दो बजे सूचना दी कि चट्टान टूटने से कई आवासीय मकानों पर भारी बोल्डर गिर गए हैं। तीन मकान पूरी तरह ध्वस्त हो गए हैं। सूचना पर तहसील प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की सहायता से रेस्क्यू अभियान चलाया। एक मकान से घनानंद (45) पुत्र मालदत्त और सुनीता देवी (37) पत्नी घनानंद को मलबे से निकाला गया, पर अस्पताल पहुंचने से पहले ही दोनों ने दम तोड़ दिया। कुछ देर बाद इसी घर से एनडीआएफ और एसडीआरएफ की टीम ने दो शव निकाले। उनकी पहचान देवानंद (57) पुत्र मालदत्त और बचुली देवी (75) पत्नी मालदत्त के रूप में हुई। मलबे से योगेश (15) पुत्र घनानंद को भी निकाला गया, जिसकी हालत गंभीर थी। उसे श्रीनगर जिला अस्पताल रेफर किया है। बताया गया कि देवानंद का परिवार देहरादून में रहता है, घटना के वक्त मालदत्त वहीं गए हुए थे। >> गम में बदलीं दिवाली की खुशियां : 08

एसडीआरएफ और एनडीआरएफ के जवानों ने कड़ी मशक्कत कर मकान के मलबे में घुसकर 15 वर्षीय योगेश को सकुशल निकाल लिया। संवाद

...पहले से ही हादसे की आशंका जता रहे थे ग्रामीण

पैनगढ़ में हुई घटना से ग्रामीणों में सरकार और प्रशासन के प्रति जबरदस्त रोष व्याप्त है। सुरेंद्र राम, मंगुली देवी, बचुली देवी ने कहा कि नेताओं और अधिकारियों के सामने प्रभावित ग्रामीणों ने कई बार फरियाद लगाई, लेकिन उनकी मांग को नहीं सुना गया। यदि पहले ही ग्रामीणों का विस्थापन कर दिया गया होता तो आज यह हृदय विदारक घटना सामने नहीं आती।

ऐन वक्त पर गोशाला में जाने से बच गई जान

बोल्डरों की चपेट में नारायणदत और अशोक पुरोहित के मकानं भी आए। रात्रि को खाना खाने के बाद इनका परिवार रहने के लिए थोड़ी दूर बनी गोशाला में चला गया, जिससे दोनों परिवारों के सभी लोग भूस्खलन की चपेट में आने से बच गए। कुछ दिनों से ये परिवार उन्हीं मकानों में रह रहे थे।

5. October 1, 2022: Avalanche in Kedarnath Region

A massive avalanche occurred in the Kedar Peak area of Chorabari glacial lake region, around 6-7 kilometers away from Kedarnath shrine in Rudraprayag district on October 1, 2022. No loss of life, property or increase in the water level in the Saraswati River, a tributary of Mandakini River that flows through the Kedarnath shrine, was reported. An avalanche was reported in the same region on September 22 last month.

6. October 2, 2022 : Earthquake in Uttarkashi District

An earthquake measuring 2.5 on the Richter scale struck Uttarkashi district on October 2, 2022 according to the National Center for Seismology (NCS). The earthquake occurred around 10.43 AM, 5 km beneath the surface of the earth and the epicenter was in the forest area near Nald village in Barahat range of Bhatwari Tehsil. No casualties were reported.

An earthquake measuring 3.6 on the Richter scale jolted Uttarkashi district on July 24 with an epicenter 10 kilometers beneath the surface of the earth and before that the district had reported an earthquake measuring 2.7 on the Richter scale on July 19. On May 11, an earthquake measuring 4.6 was felt in Pithoragarh district while on April 3 an earthquake measuring 4 was felt in Uttarkashi district. On February 17, tremors measuring 3.3 were felt in Chamoli district. On February 12, an earthquake measuring 4.1 hit Uttarkashi district. On February 6, an earthquake measuring 4.1 hit Uttarkashi district while tremors measuring 3.6 were felt in Uttarkashi, a day earlier on February 5, 2022.

About Social Development for Communities (SDC) Foundation:

SDC Foundation is a Dehradun-based environmental action and advocacy group engaged in communication, citizen engagement and capacity building in the Himalayan state of Uttarakhand. The foundation works in partnership with the institutions of Government of India, Government of Uttarakhand and other stakeholders such as research & academic institutions, community groups, civil society, media partners, NGOs, businesses & trade bodies, schools & colleges in the state.

Climate and environment conservation, waste management, sustainable urbanization and a basket of sustainable development issues are key focus areas of the foundation.

Anoop Nautiyal
Founder
Social Development for Communities (SDC) Foundation
Dehradun, Uttarakhand
Email : contactsdcuk@gmail.com and anoop.nautiyal@gmail.com

PS : Errors or omissions in UDAS documentation, if any, are purely unintentional. In case any errors or key omissions are detected or any fresh updates are available for events that are already documented, SDC Foundation may kindly be notified at email id contactsdcuk@gmail.com. We shall make the necessary corrections in subsequent versions of the monthly reports of UDAS.